

पर रहने के लिए अच्छा नहीं समझता, श्रीर गांधीजी की यादगार के लिये उसे जबरदस्ती लेना मैं मुनासिब नहीं समझता। बिड़ला जी ने भी जो अपना पत्र लिखा है उसमें उन्होंने स्वीकृति दी है कि हां नेहरू जी ठीक कहते हैं मैंने उनको प्रधान मन्त्री का निवास स्थान देने के लिए कहा था लेकिन उन्होंने मंजूर नहीं किया तो क्या सरकार यह बतायेगी कि यह बिड़ला हाउस सिर्फ इस बिना पर नहीं लिया गया है श्रीर गांधी स्मारक नहीं बन रहा है क्योंकि यह लोग बिड़ला जी को खुश करना चाहते हैं तो मैं यह जानना चाहता हूँ कि जो सारे देश के राष्ट्रपिता हैं...

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य का सवाल खत्म भी होगा कि नहीं ?

श्री बागड़ी : एक मिनट भी लग जाय तो कौनसी बड़ी बात है ?

अध्यक्ष महोदय : कभी खत्म तो होना चाहिए।

श्री बागड़ी : महात्मा गांधी के स्मारक बनाने की...

श्री म० ला० द्विवेदी : अध्यक्ष महोदय, प्रापकी कृपया यह है कि एक मिनट से अधिक कोई एक व्यक्ति अपना सवाल नहीं कर सकता है...

अध्यक्ष महोदय : प्राप बैठ जाइये मैं देख लूंगा।

श्री बागड़ी : गुरु तेग बहादुर शाहीद हुए उसी तरीके से गांधीजी शाहीद हुए और गुरु तेग बहादुर की शाहीदी जगह पर गुरुद्वारा विदेशी राज्य में बना...

अध्यक्ष महोदय : प्राइंडर, प्राइंडर।

श्री बागड़ी : सवाल तो मुझे पूछ लेने दिया जाय।

अध्यक्ष महोदय : सवाल आपने कर लिया।

श्री बागड़ी : मेरा सवाल पूरा नहीं हुआ है।

अध्यक्ष महोदय : अब पूरा तो पूरे घंटे में नहीं होगा। तो मैं घंटे भर की तो इजाजत माननीय सदस्य को नहीं दे सकता।

श्री बागड़ी : मेरा सवाल यह है कि जिस तरीके से गुरु तेग बहादुर की शाहीदी जगह पर गुरुद्वारा बना है और वह विदेशी राज्य में बना था और जैसे राम, कृष्ण आदि महापुरुषों की शाहीदी जगह को यादगार बनाया गया है तो क्या सरकार इसकी वजह बतलायेगी कि अपने देश में और अपने राज्य में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की शाहीदी जगह पर कोई यादगार क्यों नहीं बनाई गई है ? दरअसल यह सब सरकार के लोग बिड़ला के हाथ में बिके हुए हैं।

श्री भक्त दशन : श्रीमन्, चूकि माननीय सदस्य ने अपने प्रश्न में प्रधान मन्त्री का उल्लेख किया है इसलिए अधिक से अधिक यह हो सकता है कि उनके इस प्रश्न को मैं प्रधान मन्त्री तक पहुँचा दूँ।

Haldia Refinery

+

- *417. **Shri Vishwa Nath Pandey:**
Shri P. R. Chakraverti:
Shri P. C. Borooah:
Shri Heda:
Shri Indrajit Gupta:
Shri R. S. Pandey:
Shri Rajeshwar Patel:
Shri Vidya Charan Shukla:
Shri D. C. Sharma:
Shri Yashpal Singh:
Shri Kapur Singh:
Shri Dinen Bhattacharya:
Dr. Ranen Sen:

Will the Minister of **Petroleum and Chemicals** be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 70 on the 18th August, 1965 and state:

(a) whether the negotiations with foreign firms for the setting-up of Haldia refinery have since been concluded; and

(b) if so, the outcome thereof?

The Minister of Petroleum and Chemicals (Shri Humayun Kabir): (a) and (b). No Sir. The negotiations are continuing.

श्री विश्वनाथ पाण्डेय : मैं यह जानना चाहता हूँ कि यह निगोशिएशंस कब तक समाप्त हो जायेंगी ?

Shri Humayun Kabir: It is very difficult to give a definite date, but we are hoping to complete the negotiations by perhaps 31 January 1966.

श्री विश्वनाथ पाण्डेय : यह हल्दिया तेल शोधक कारखाना स्थापित करने में अनुमानतः कितना धन व्यय होगा ?

Shri Humayun Kabir: Till the negotiations are completed and we know the specific proposals, how can I give the figures?

Shri P. R. Chakraverti: Which are the firms which have offered to carry out this project?

Shri Humayun Kabir: There are three specific offers: one is from a combination of a German and an American firm, another is from the Rumanian organisation and the third from a French firm, CFP.

Shri P. C. Borooah: Will this refinery be fed by crude oil produced in North-East Assam? If so, what will be the length of the pipeline through which the crude has to pass?

Shri Humayun Kabir: At present negotiations are proceeding on the basis that it will be working largely on imported crude.

Shri Indrajit Gupta: Since out of these three offers mentioned by the Minister, two are from private foreign firms and one from a Government organisation, I presume on government to government basis, may I know whether Government has decided, at least in principle on the question whether this new refinery will be in the public sector or will be

part public-owned and part private-owned?

Shri Humayun Kabir: It will be a public sector enterprise; it has been decided that any concern in which the Government of India hold 51 per cent or more of the shares is a public concern.

Shri Indrajit Gupta: I did not want that technical answer. I wanted to know whether it would be in the public sector or not. He has said that if 51 per cent of shares is held by Government it will be a public concern and all that.

Mr. Speaker: That was in the second part of the answer. In the first part, he answered that it would be in the public sector.

Shri Hem Barua: At the same time, he has said that if 51 per cent of shares is held by Government, then it becomes a public concern.

Mr. Speaker: Order, order. I have not called him.

Shri D. C. Sharma: May I know what attempts would be made in order to make this kind of refinery, when fully constructed, proof against any future shelling or bombing by the Pakistani people?

Shri Humayun Kabir: This is a question of general defence. The measures which are taken for the defence of the country will apply equally there.

Shri Kapur Singh: Once again wrong English has been uttered on the floor of the House.

Mr. Speaker: I am not here for correcting English.

Shri Hem Barua: Prof. Kabir was my professor in the University. He speaks good English.

Mr. Speaker: I should ask the professors and other literary persons to sit together and decide what should be done.

श्री यशपाल सिंह : अंग्रेज चले गये अंग्रेजी रह गयी है इसलिए जो अंग्रेजी गलत बोलते हैं वह भी देश की सेवा करते हैं।

Shri D. C. Sharma: I think he was referring to the Minister.

Mr. Speaker: Unless I identify a Member, he should not stand up, whoever he might be.

श्री यशपाल सिंह : क्या सरकार यह बतला सकती है कि फौरन कालबरोशन के ऊपर हम लोग कब तक डिपेंड करेंगे जबकि जनरल शारदा नन्द सिंह ने यह बयान दिया है कि अगर हिन्दुस्तानियों को प्रोत्साहन दिया जाय तो यह काम बगैर किसी कोलबरोशन के भी हो सकता है।

Shri Humayan Kabir: The best answer to that is that Gen. Saradand himself is depending very largely on foreign collaboration. In any case, we expect to be self-supporting in the course of about seven years.

Shri Bhagwat Jha Azad: Is it not a fact that from the point of view of prospecting or refining or the necessity of oil consumption in this country, Haldia coming up will be absolutely a death blow to the Barauni Refinery and thereby to the expansion of the country? Has this been assessed or not?

Shri Humayan Kabir: The hon. Member is not correct. In fact, assessments have been made, and Haldia is an imperative necessity for the country.

Shri Bhagwat Jha Azad: Absolutely wrong.

Shri Kashi Ram Gupta: The present position of the refineries is that there is 20 to 25 per cent extra petrol. Will the Government see that future refineries are so adjusted as to minimise this production so as to meet the contingency?

Shri Humayan Kabir: The point mentioned by the hon. Member is very much in Government's mind, and

therefore in all new refineries we are taking steps to see that the production pattern is such that the production of motor spirit is kept at the minimum.

Mr. Speaker: Next question.

Shri A. P. Sharma: 426 may also be taken up.

हिन्दी का प्रचार

+

* 418. श्री म० सा० द्विवेदी :

श्री स० चं० सामन्त :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हिन्दी का प्रचार करने के लिए सरकार ने कौन कौन से सरकारी तथा गैर-सरकारी संगठन स्थापित किए हैं;

(ख) गृह-कार्य मन्त्रालय द्वारा नियुक्त की गई हिन्दी सलाहकार समिति द्वारा किए गए कार्य तथा शिक्षा मन्त्रालय के अधीन काम कर रही समितियों द्वारा किए गए कार्य में क्या अन्तर है ;

(ग) क्या उनके कामों में कोई समन्वय है; और

(घ) यदि नहीं, तो एक ही प्रकार के कामों के लिए विभिन्न समितियाँ बनाने के क्या कारण हैं ?

शिक्षा मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री भक्त बर्षन) : (क) से (घ). विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है। [पुस्तकालय में रखा गया। देखिये संख्या एल. टी-5229/65]

श्रीमन्, प्रश्न संख्या 418 के उत्तर में सभा पटल पर रखे जाने वाले विवरण में एक गलती आ गई है जिसका कि मैं आपकी आज्ञा से संशोधन करना चाहता हूँ। विवरण के भाग (ख) में जहाँ 1959 छपा है वहाँ 1951 होना चाहिए।

श्री म० सा० द्विवेदी : सरकार के विभिन्न मन्त्रालयों में भाषा का जो प्रयोग किया जाता है उसके स्वरूप के निर्धारण और प्रविधिक